अध्याय – 5

आधुनिक चिकित्सा का पारंपरिक चिकित्सा पर प्रभाव

बैगा जनजाति के लोग शिक्षा के प्रभाव एवं आधुनिकीकरण के संपर्क में आने के कारण इनमें पारंपरिक चिकित्सा के प्रति रुचि का अभाव देखा जा सकता है । इनमें रुचि के अभाव के कारण पारंपरिक चिकित्सा का ज्ञान सिर्फ पुरानी पीढ़ी तक ही सीमित होते जा रहा है । इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि पुरानी पीढ़ी के लोगों द्वारा पारंपरिक चिकित्सा का ज्ञान नई पीढ़ी के लोगों को समय रहते नहीं देते हैं और अब पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली विलुप्त होने के कगार पर हैं।

अध्ययन क्षेत्र में अब स्वास्थ्य केंद्र होने के कारण अधिकांश लोग पारंपरिक चिकित्सा पर निर्भर नहीं हैं । क्योंकि आधुनिक चिकित्सा में थोड़ा समय लगता है वहीं पारंपरिक चिकित्सा में अधिक समय लगाता है । इस कारण से लोग आधुनिक चिकित्सा प्रणाली को अधिक महत्त्व देते है । इन लोगों का कहना हैं कि आधुनिक चिकित्सा सरलता से प्राप्त हो जाती है, वहीं पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में चिकित्सकों को जंगल से जड़ी-बूटी लाना पड़ता हैं और कभी-कभी जड़ी नहीं भी मिलापती हैं। जिस कारण कभी- कभी इलाज नहीं हो पाता है।

आधुनिक चिकित्सा का बैगा जनजाति पर प्रभाव –

अध्ययन क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा का स्थान अब आधुनिक चिकित्सा ने ले लिया है । आधुनिक चिकित्सा पर लोगों का विश्वास अधिक होने लगा है | उनका मानना है कि सरकारी अस्पतालों में छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज थोड़े समय में ही हो जाता है वहीं पारंपरिक चिकित्सा में समय लगता हैं और वैद्य भी कई बार समय में नहीं मिलते हैं | जिस कारण यहाँ के लोग अधिकांशः अस्पतालों में ही जाते है छोटी-मोटी बीमारियों में | प्रतिशत के आधार पर देखा जाए तो 32 प्रतिशत लोग पारंपरिक चिकित्सकों एवं सरकारी अस्पतालों में इलाज करते है,18 प्रतिशत लोग अन्य अस्पतालों में इलाज कराते हैं और 50 प्रतिशत तीनों जगहों पर इलाज कराते है | चित्र के माध्यम से प्रतिशत देखा जा सकता है जो इस प्रकार हैं -

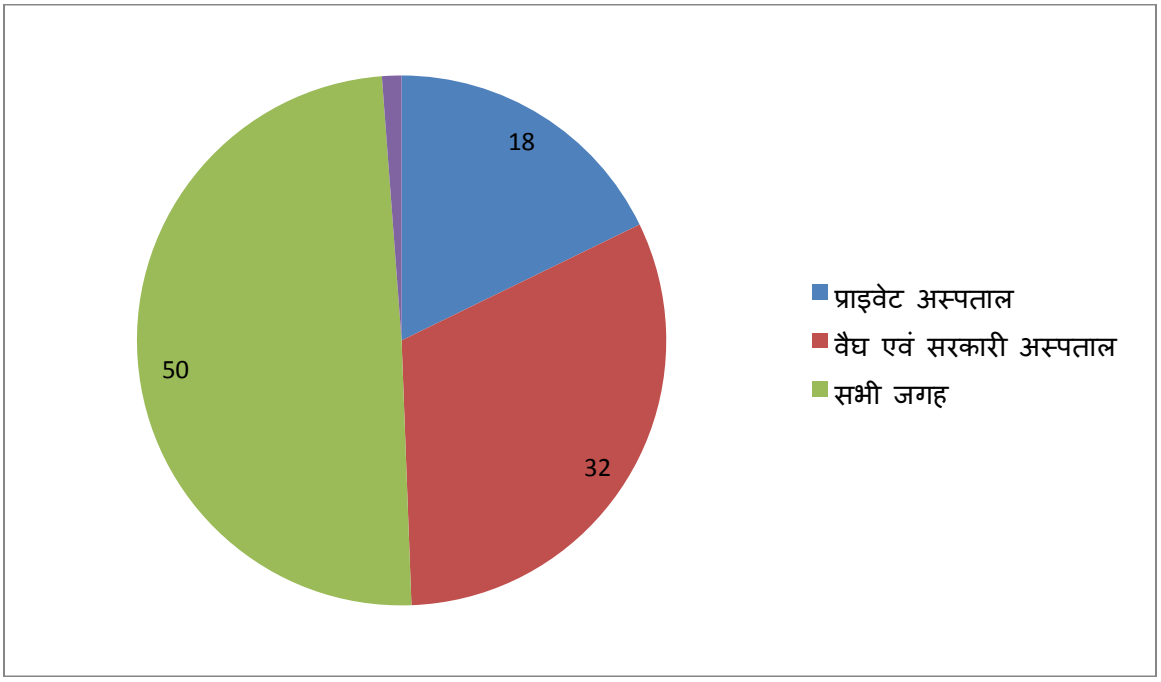

चित्र - विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग

पारंपरिक चिकित्सा- पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के अंतर्गत जनजाति क्षेत्र में बैगा, गुनिया, सिरहा, ओझा रोगियों का जड़ी–बूटियों एवं तंत्र–मंत्र से उपचार करते है। प्रायः प्रत्येक बीमारी के लिए अलग-अलग जड़ी- बूटी होती हैं। इन जड़ी-बूटी के आधार पर बैगा जनजाति के चिकित्सक चिकित्सा कार्य करते हैं। जनजाति लोग कठोर वातावरण में रहते हुये भी स्वस्थ जीवन जीते है। उनका मानना हैं कि उनके देवी-देवता वातावरण में संतुलन बनाकर रखाते हैं । आधुनिक चिकित्सा के आने पर भी ये लोग आज भी पारंपरिक चिकित्सा द्वारा इलाज करते है। इनका मानना है कि पारंपरिक चिकित्सा से भी इलाज अच्छा होता है। लेकिन आधुनिक समय में समय के अभाव के कारण ये लोग अपने घर पर या वैघ के पास छोटी बीमारियों में कम जाते है | सरकारी अस्पताल में अधिक जाते है। वहीं बड़ी बीमारियों में इलाज करने पारंपरिक चिकित्सकों के पास अधिक जाते है ।

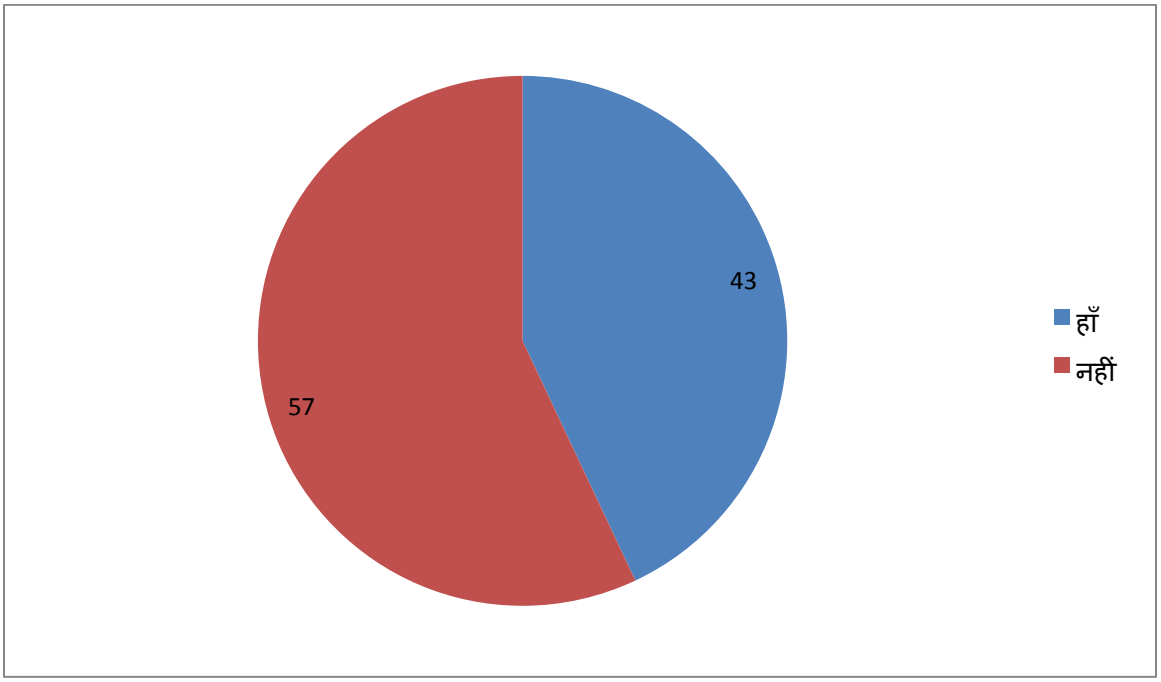

चित्र - पारंपरिक औषधियों का ज्ञान

चित्र से स्पष्ट है कि स्थानीय लोगों को पारंपरिक औषधीय पौधों का 43 प्रतिशत ज्ञान है | और 57 प्रतिशत लोगों को पारंपरिक औषधीय का ज्ञान नहीं है |